पदार्थ हैं । इनमें से कुछ मदों का सिन्टर बनाने में पुनः इस्तेमाल किया जाता है । कोक, कोक ब्रीज और नट कोक जैसी अन्य मदें अन्य उपभोक्ताओं को बेची जा रही हैं ।

"सेल" के इस्पात संयंत्रों में, सामान्यतया प्रोसेस के दौरान प्राप्त होने वाली मदों को इकट्ठा नहीं किया जाता है । प्रचालनात्मक कारणों से, जहां कहीं मदों का कुछ ढेर लग जाता है, कार्रवाई की जाती है और नियंत्रण के अधीन रखे गए स्टाक समाप्त हो जाते हैं ।

हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, रांची के लिए पिलेटाइजेशन योजना

354. **श्री अजीत जोगी :**
श्री पृथ्वी मांझी :

क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, रांची ने 1972 के आस-पास पिलेटाइजेशन संयंत्र की एक योजना तैयार की थी और उसके निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय निविदायें आमंत्रित की गई थी और उन में से एक निविदा को स्वीकृत भी किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो अब इस योजना की प्रगति क्या है ;

(ग) क्या इस योजना को पूर्णतया त्याग दिया गया है ;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) इस योजना पर कुल कितनी राशि खर्च की गई है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री माखन लाल फोतेदार) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (ङ) ये प्रश्न नहीं उठते ।

लाख के उत्पादन में कमी

355. **श्री अजीत जोगी :**
श्री पृथ्वी मांझी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पलाश के वृक्षों में पैदा होने वाले 'लाख' के उत्पादन में भारी कमी आयी है, जिसके परिणामस्वरूप, इस धन्धे में अपना गुजारा करने वाले अनेकों आदिवासियों और मजदूरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाये गये हैं कि लाख के उत्पादन स्तर में कमी न आए ;

(ग) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि इसके कारण मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के उमरिया नगर स्थित चपड़ा कारखाने सहित लाख पर आधारित अनेक उद्योग बंद हो गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इन कारखानों को चालू करने की दिशा में कोई पहल की जा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) लाख का उत्पादन 1960-61 में 48000 मीटरी टन के औसत से घटकर इस समय 12000 मीटरी टन रह गया है । इस कमी के कारण इस प्रकार हैं :—

(1) उत्पाद के कम मूल्य ;

(2) मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां

(3) विदेशों में इसकी मांग में कमी ।

(ख) पांच राज्यों में लाख विकास की एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना शुरू की गई है ।